

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड  
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून:दिनांक 25 फरवरी, 2008

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में देनादि तथा अन्य मदों में आवश्यकता से न्यून धनराशि होने के कारण पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: अर्थ/56878/5क(14)/01/2007-08, दिनांक 22 जनवरी, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्रों में उल्लिखित विवरणानुसार माध्यमिक शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में पुनर्विनियोग के माध्यम से आयोजनोत्तर पक्ष में धनराशि रु0 117000 हजार (रु0 ग्यारह करोड़, सत्तर लाख मात्र) एवं आयोजनागत पक्ष में धनराशि रु0 5463 हजार (रु0 चब्वन लाख, तिरेसठ हजार मात्र) इस प्रकार कुल रु0 122463 हजार (रु0 बारह करोड़, चौबीस लाख, तिरेसठ हजार मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-

स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत नियमानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्ण सहमति/स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त धनराशि को किसी भी ऐसी मद पर व्यय न किया जाये जिसके लिए वित्तीय हस्तापुस्तिका तथा बजट मैनुयल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (5) आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत की जा रही धनराशि को नियोजन विभाग द्वारा सम्बन्धित योजनाओं में आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही व्यय को सीमित रखे जाने का दायित्व शिक्षा निदेशक का होगा।

कमरा.....2

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-02-माध्यमिक शिक्षा के अधीन संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सम्बन्धित व्यौरवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नाम डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-904(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008, दिनांक 22 फरवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।  
संलग्नक:-बी0एम0-15

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)  
सचिव

संख्या 163(1)/XXIV-3/08/02(20)/2007, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायू मण्डल, नैनीताल।
- 7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 11- कम्प्यूटर सैल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 12- एन0आर्0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
- 14- गड फाइल।

आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)  
उप सचिव





उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-3

संख्या- १०५५ (१) (1) / वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2008  
देहरादून दिनांक २२ फरवरी, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(एन०एन०थपलियाल)

सेवा में,

महालेखाकार,  
(लेखा एवं हकदारी)  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या-163(1)/XXIV-3/2008/02(20)/2007, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-निदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3-वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 4-गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(पी०एल०शाह)  
उप सचिव